सनराइजर्स लीड्स में शामिल हुए अबरार अहमद, सोशल मीडिया पर उठे सवाल

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

थिएटर्स के बाद अब OTT पर आएगी 'बॉर्डर 2'

Page-05

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर जवाबी हमला

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अअफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि अफगान वायुसेना ने शुक्रवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमला किया। मंत्रालय के मुताबिक यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना की बीती रात किए गए हमलों के जवाब में की गई।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि कोहाट क्षेत्र में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को टारगेट किया गया। साथ ही सैन्य किले को भी निशाना बनाया गया। हालांकि हमले से किसी के मारे जाने या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल, पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबूल और कंधार में हवाई हमले किए थे। तालिबानी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 6 लोगों की मौत और 15 घायल हुए हैं। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल है। साथ ही कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

मसूरी में भव्य शादी की तैयारी

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पटीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव बहुत जल्द अपनी नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं. उत्तराखंड की हसीन वादियों और 'पहाड़ों की रानी' मसूरी को इस भव्य शादी के लिए वेडिंग डेस्टिनेशन चुना गया है. कुलदीप और वंशिका की शादी की रस्में 13 और 14 मार्च को मसूरी के होटल सवाय में संपन्न होंगी. शादी के लिए मसूरी के प्रतिष्ठित होटल सवाय को पूरी तरह बुक कर लिया गया है. मेहमानों की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. अकेले होटल सवाय में 80 कमरे बुक हैं. इसके अलावा जेडब्ल्यू मैरियट और फॉर्चून होटल में भी मेहमानों के ठहरने की व्यवस्था की गई है. होटल के अंदर ही भव्य मंडप और संगीत समारोह के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की गई है. सजावट का काम लगभग पूरा हो चुका है. शादी में करीब 200 खास मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें दिग्गज क्रिकेटर, बड़े उद्योगपति और बॉलीवुड सितारे शामिल हो सकते हैं.

गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर ₹2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर ₹4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है।उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने LPG सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। राजस्थान में प्रदर्शन करते हुए सिलेंडर की शवयात्रा निकाली गई।

"देश के इतिहास में पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की पहल की गई है।"

इतिहास में पहली बार

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास

देश की संसदीय राजनीति में एक अभूतपूर्व घटनाक्रम सामने आया है। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में नोटिस देकर ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की मांग की है। यह पहली बार है जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को संसदीय प्रक्रिया के जरिए हटाने की पहल की गई है, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा में 130 सांसदों और राज्यसभा में 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के अनुसार, लोकसभा में कम से कम 100 और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर होने पर ऐसा प्रस्ताव पेश किया जा सकता है। इस लिहाज से विपक्षी दलों ने आवश्यक संख्या से अधिक सांसदों के समर्थन के साथ नोटिस दिया है। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव पर 'इंडिया' गठबंधन के लगभग सभी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी इस कदम का समर्थन करते हुए नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी औपचारिक रूप से विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं है, फिर भी उसने इस मुद्दे पर विपक्ष के साथ खड़े होने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, कुछ निर्दलीय सांसदों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है।विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में गंभीर खामियां रही हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि इस प्रक्रिया से सत्तारूढ़ दल को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने का प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है। इसे पारित करने के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है, जिसमें सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई समर्थन शामिल होता है।

- **पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव का नोटिस दिया गया।**
- **लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए।**

बिहार के बांका पुलिस लाइन में फूड प्वाइजनिंग, 100 से ज्यादा जवान बीमार

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

बिहार के बांका जिले में पुलिस लाइन के अंदर फूड प्वाइजनिंग की घटना सामने आई है. दोपहर का खाना खाने के बाद 100 से ज्यादा पुलिस जवान अचानक बीमार पड़ गए. सभी को तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार, जवानों को अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी. देखते ही देखते बीमार होने वालों की संख्या बढ़ने लगी. स्थिति को गंभीर देखते हुए सभी जवानों को तुरंत अस्पताल ले जाने का फैसला लिया गया. बीमार पड़े जवानों को आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया. जानकारी के मुताबिक 100 से अधिक पुलिस जवान इस घटना से प्रभावित हुए हैं. अस्पताल में डॉक्टरों की टीम लगातार सभी जवानों की जांच और इलाज में जुटी हुई है. फिलहाल कई जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है. घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन भी तुरंत हरकत में आ गया.

मध्य पूर्व तनाव के बीच तेल-गैस संकट की आशंका

केंद्र का भरोसा—देश में पर्याप्त भंडार घबराने की जरूरत नहीं

महाराष्ट्र, टीवी भारतवर्ष

मपश्चिम एशिया में बीते दो हफ्ते से जारी बमबारी के बीच भारत में तेल और गैस संकट की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, केंद्र सरकार ने आश्वस्त किया है कि देश में पर्याप्त तेल और गैस के भंडार हैं, इसलिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने कहा कि राज्य सरकारों को जमाखोरी के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और देश में तेल-गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने नागरिकों से

अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराकर बुकिंग या खरीदारी न करने की अपील की। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत की कुल शोधन क्षमता 258 मिलियन मीट्रिक टन है और देश पेट्रोल व डीजल के उत्पादन में आत्मनिर्भर है।

पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त जारी

पीएम मोदी ने 93 लाख किसानों के खातों में भेजे 18,640 करोड़ रुपये

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी की, जिसके तहत 93 लाख किसानों को 18,640 करोड़ रुपये वितरित किए गए। इस योजना के अंतर्गत, पात्र किसानों को हर चार महीने में 2,000 रुपये, यानी कुल मिलाकर सालाना 6,000 रुपये, सीधे उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्राप्त होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर को तमिलनाडु के कोयंबटूर में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी की, जिसके तहत 9 करोड़ से अधिक किसानों को 18,000 करोड़ रुपये वितरित किए गए। अब तक 22 किस्तों में पीएम मोदी इस योजना के तहत 42 लाख करोड़ रुपये से अधिक वितरित कर चुके हैं।

ईरान के घावों पर मरहम लगाएगा चीन

2 लाख डॉलर की सहायता का ऐलान

बिहार, टीवी भारतवर्ष

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच चीन ने मानवीय सहायता का बड़ा कदम उठाया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने शुक्रवार को बीजिंग में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान घोषणा की कि रेड क्रॉस सोसाइटी ऑफ चाइना ईरान को 2,00,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 1.68 करोड़ रुपये) की आपातकालीन सहायता प्रदान करेगी।यह सहायता विशेष रूप से उस प्राथमिक स्कूल पर हुए हमले में मारे गए छात्रों के परिवारों की मदद के लिए दी जा रही है। बताया गया कि युद्ध की शुरुआत के दौरान हुए इस हमले में कई निर्दोष छात्रों की मौत हो गई थी।चीन ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन नागरिकों और गैर-सैन्य ठिकानों पर होने वाले हमलों की कड़ी निंदा करता है और इस तरह की अंधाधुंध बमबारी का विरोध करता है।चीन ने यह भी कहा कि वह क्षेत्र में बढ़ते तनाव को कम करने और शांति बहाल करने के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ संपर्क बनाए हुए है। साथ ही यह भी संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर ईरान और वहां के लोगों को अतिरिक्त मानवीय सहायता देने के लिए चीन तैयार है।विशेषज्ञों का मानना है कि इस सहायता के जरिए चीन ने न केवल मानवीय समर्थन दिखाया है, बल्कि मध्य पूर्व के संकट में कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने का संदेश भी दिया है।

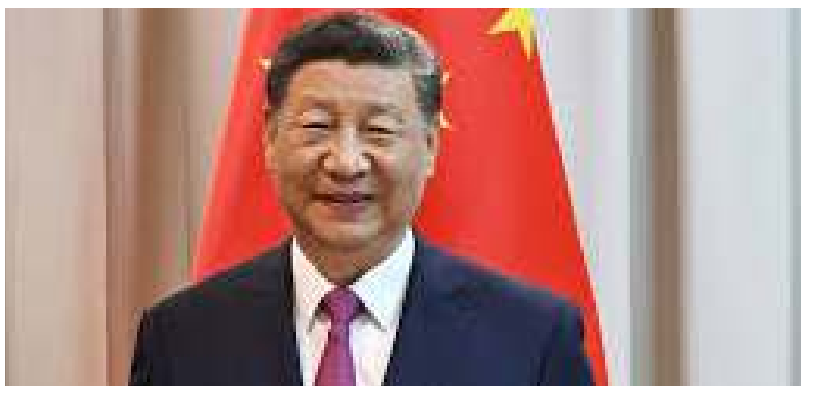

जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अराघची के बीच बातचीत

द्विपक्षीय मुद्दों और ब्रिक्स पर हुई चर्चा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत कर द्विपक्षीय संबंधों, ब्रिक्स और पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर चर्चा की। अराघची ने अमेरिका-इज़राइल हमलों के बाद की स्थिति से अवगत कराया। दोनों नेताओं ने संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर बातचीत की। इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-ईरान के द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ ब्रिक्स से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की। जयशंकर ने बताया कि उनकी ईरानी विदेश मंत्री अराघची से एक और विस्तृत बातचीत हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग के कई पहलुओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भी इस वार्ता की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विस्तृत चर्चा की। अराघची ने बातचीत के दौरान अपने भारतीय समकक्ष को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए हमलों के बाद की ताज़ा स्थिति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि इन घटनाओं का क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।अराघची ने इस दौरान इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान अपने आत्मरक्षा के अधिकार का प्रयोग करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हालिया घटनाक्रमों के कारण पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है और इस पूरे परिदृश्य को लेकर कई देशों की चिंता भी बढ़ी है। इस संदर्भ में उन्होंने भारत को क्षेत्रीय परिस्थितियों और संभावित सुरक्षा चुनौतियों से अवगत कराया।इससे पहले भी हाल के दिनों में दोनों नेताओं के बीच कई बार बातचीत हो चुकी है। मंगलवार को एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बातचीत की थी। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद से यह दोनों नेताओं के बीच तीसरी बातचीत बताई जा रही है। माना जा रहा है कि भारत होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव और संभावित नाकाबंदी के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।इसी क्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ह्यून से भी बातचीत की। इन वार्ताओं के दौरान पश्चिम एशिया में जारी संकट पर विचार साझा किए गए और क्षेत्र की बदलती परिस्थितियों पर चर्चा की गई।ईरानी विदेश मंत्री से बातचीत के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि उनकी अराघची से चल रहे संघर्ष से जुड़े ताज़ा घटनाक्रमों पर विस्तृत चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई है ताकि बदलती परिस्थितियों पर नियमित रूप से संवाद जारी रखा जा सके।यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों ने स्थिति को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त सैन्य हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने उनके पुत्र मोजतबा खामेनेई को देश का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया है। इस घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच यह पहली टेलीफोन वार्ता मानी जा रही है।

ट्रंप का बड़ा दावा

ईरान जल्द करेगा आत्मसमर्पण

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी7 देशों के नेताओं के साथ हुई एक वर्चुअल बैठक में दावा किया कि ईरान आत्मसमर्पण करने की स्थिति में पहुंच चुका है। यह जानकारी जी7 से जुड़े तीन अधिकारियों ने दी, जिन्हें इस चर्चा की जानकारी दी गई थी। प्रमुख औद्योगिक देशों के नेताओं के साथ हुई इस कॉल में ट्रंप ने हाल ही में चलाए गए सैन्य अभियान "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" के नतीजों पर विस्तार से बात की। अधिकारियों के अनुसार ट्रंप ने इस अभियान को बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि इससे एक ऐसे खतरे से छुटकारा मिला है, जो सभी के लिए चिंता का विषय था। उन्होंने ईरान की स्थिति को "कैंसर" बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई वैश्विक सुरक्षा के लिए जरूरी थी।इसी बीच, ईरान और अमेरिका के बीच तनाव और बढ़ गया है। शुक्रवार तड़के ईरान ने खाड़ी के कई अरब देशों पर ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। इसके बाद ट्रंप ने ईरान को कड़े जवाब की चेतावनी दी। सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा, "देखते रहिए, आज इन कुटिल लोगों का क्या हश्र होता है। ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग नष्ट हो चुकी है। उनके मिसाइल, ड्रोन और सैन्य क्षमता को खत्म कर दिया गया है।"ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका ईरान के "आतंकी शासन" को सैन्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर कमजोर करने की कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कई दशकों से ईरान दुनिया भर में निर्दोष लोगों को निशाना बनाता रहा है और अब अमेरिका इसका जवाब दे रहा है। साथ ही उन्होंने खाड़ी देशों को चेतावनी दी थी कि वे अपने यहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बंद करें।इस बीच खाड़ी क्षेत्र में तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं।

राज्यसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज

हरियाणा-बिहार-ओडिशा में रिसॉर्ट पॉलिटिक्स की एंट्री

पीएम मोदी ने शुरू की 4,570 करोड़ की परियोजनाएं

तीन रेल सेवाओं को दिखाई हरी झंडी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को असम में 4,570 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का अनावरण किया और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस और नारंगी-अगरतला एक्सप्रेस शामिल हैं। प्रधानमंत्री दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। खराब मौसम के कारण वह कोकराझार नहीं पहुंच सके, जिसके चलते उन्होंने गुवाहाटी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भूमि पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और 4,570 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।नई रेल सेवाओं से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कामाख्या-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत के बीच सीधी रेल संपर्क सुविधा प्रदान करेगी। वहीं गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस असम और पश्चिम बंगाल के बीच यात्रा को अधिक सुगम बनाएगी। इसके अलावा नारंगी-अगरतला एक्सप्रेस असम और त्रिपुरा के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, जिससे यात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए अंतर-राज्यीय यात्रा आसान हो जाएगी। इन परियोजनाओं से असम के बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में स्थित कोकराझार जिले में यातायात के दबाव को कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही पर्यटन, कृषि बाजारों तक पहुंच, स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों की गतिशीलता में भी सुधार होने की संभावना है।प्रधानमंत्री मोदी ने कोकराझार जिले के बाशबारी में रेलवे की आवधिक मरम्मत (पीओएच) कार्यशाला की आधारशिला भी रखी। यह कार्यशाला रेलवे रखरखाव ढांचे को मजबूत करने, परिचालन क्षमता बढ़ाने और क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने में सहायक होगी।इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने 3,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली प्रमुख सड़क अवसंरचना परियोजना 'असम माला 3.0' का भी वर्चुअल भूमि पूजन किया। इस योजना के तहत राज्य भर में 900 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिससे अंतर-राज्यीय संपर्क और राष्ट्रीय राजमार्गों तथा ग्रामीण सड़कों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

ईरान पर इज़राइल के ताबड़तोड़ हमले

तेहरान के रिहायशी इलाके में विस्फोट

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान और इज़राइल के बीच जारी तनाव के बीच ईरान की राजधानी तेहरान में एक बड़ा धमाका होने की खबर सामने आई है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, इज़रायली वायु सेना द्वारा ईरानी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए हमलों की नई लहर के बाद पूर्वी तेहरान के एक रिहायशी इलाके में जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग घायल हो गए। प्रेस टीवी की ओर से जारी तस्वीरों में घटनास्थल से घायल लोगों को अस्पताल ले जाते हुए देखा गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब इज़रायली वायु सेना ने शुक्रवार को ईरान के कई सैन्य और रणनीतिक ठिकानों पर किए गए हमलों को सफलतापूर्वक पूरा करने की घोषणा की थी। इन हमलों को ईरान के सैन्य और सुरक्षा ढांचे को कमजोर करने की कार्रवाई का हिस्सा बताया जा रहा है।इज़रायली सेना के अनुसार, सैन्य खुफिया विभाग के निर्देश पर वायु सेना ने पिछले 24 घंटों के दौरान ईरान के तेहरान, शिराज और अहवाज़ शहरों में कई लक्ष्यों को निशाना बनाया। दक्षिणी ईरान के शिराज में उस भूमिगत ठिकाने पर हमला किया गया, जहां से इज़राइल की ओर दागे जाने वाले बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन और भंडारण किया जाता था। इज़रायली अधिकारियों का दावा है कि इस हमले से मिसाइल कार्यक्रम को बड़ा नुकसान पहुंचा है।तेहरान में इज़रायली वायु सेना ने ईरानी हवाई रक्षा प्रणाली के ठिकानों और एक केंद्रीय सैन्य अड्डे को निशाना बनाया। इसके अलावा उन कई ठिकानों पर भी हमले किए गए, जहां विभिन्न युद्धक उपकरणों, हवाई रक्षा प्रणालियों और बैलिस्टिक मिसाइलों के हिस्सों का निर्माण किया जाता था।वहीं पश्चिमी ईरान के अहवाज़ शहर में शासन से जुड़े कई मुख्यालयों पर भी हमले किए गए। इज़रायली सेना का कहना है कि इन मुख्यालयों में ईरानी सैनिकों की गतिविधियां देखी गई थीं और यहां से क्षेत्र के देशों तथा इज़राइल के खिलाफ संभावित हमलों की तैयारी की जा रही थी।इज़रायली सेना ने कहा कि यह कार्रवाई ईरानी शासन की प्रमुख सैन्य संरचनाओं और उसके बुनियादी ढांचे को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। इससे पहले भी इज़रायली वायु सेना ने दावा किया था कि उसने पिछले 24 घंटों में पश्चिमी और मध्य ईरान में 200 से अधिक ठिकानों पर हमले किए हैं। इस बीच क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

इराक के आसमान में अमेरिकी सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त

ईरान ने मार गिराने का किया दावा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मिडिल ईस्ट में जारी बढ़ते तनाव के बीच एक अहम घटना सामने आई है। इराक के ऊपर अमेरिकी सेना का एक रिफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस घटना को लेकर ईरान की ओर से बड़ा दावा किया गया है, जबकि अमेरिका ने इन दावों को खारिज कर दिया है। हालांकि अमेरिका ने यह स्वीकार किया है कि उसका एक सैन्य विमान इराक के आसमान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार पश्चिमी इराक में सक्रिय रेजिस्टेंस फ्रंट के लड़ाकों ने अमेरिकी सेना के केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर रिफ्यूलिंग विमान को मिसाइल से निशाना बनाकर मार गिराया है। ईरान का दावा है कि यह विमान उस समय हवा में उड़ान भर रहा था और एक लड़ाकू विमान को हवा में ही ईंधन उपलब्ध करा रहा था। इसी दौरान एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे निशाना बनाया गया और विमान क्रैश हो गया।इस संबंध में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क विभाग ने भी एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया कि रेजिस्टेंस फ्रंट की एयर डिफेंस यूनिट ने अमेरिकी विमान को सफलतापूर्वक मार गिराया है। ईरान के इस दावे के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई है। केसी-135 जैसे विमान अमेरिकी सेना के महत्वपूर्ण रणनीतिक विमानों में गिने जाते हैं। इनका मुख्य कार्य हवा में उड़ान भर रहे लड़ाकू विमानों और बमवर्षक विमानों को ईंधन उपलब्ध कराना होता है, जिससे वे बिना जमीन पर उतरे लंबे समय तक मिशन पर बने रह सकते हैं।हालांकि अमेरिका ने ईरान के इन दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पुष्टि की है कि उसका बोइंग केसी-135 रिफ्यूलिंग विमान इराक के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त जरूर हुआ है, लेकिन यह किसी मिसाइल हमले या दुश्मन की कार्रवाई के कारण नहीं गिरा। अमेरिकी सेना के अनुसार यह हादसा उस समय हुआ जब उनका सैन्य अभियान 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' चल रहा था।अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इस मिशन के दौरान दो केसी-135 विमान उड़ान पर थे। इनमें से एक विमान सुरक्षित रूप से लैंड करने में सफल रहा, जबकि दूसरा विमान पश्चिमी इराक के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा कि यह घटना एक मित्र देश के हवाई क्षेत्र में हुई है और अब तक किसी भी तरह के मिसाइल हमले या दुश्मन की गोलीबारी के प्रमाण नहीं मिले हैं। फिलहाल अमेरिकी सेना ने इस दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल पर बचाव और राहत कार्य भी जारी है। मलबे की जांच की जा रही है और विमान में सवार क्रू मेंबर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार विमान में पांच क्रू मेंबर मौजूद थे। बचाव कार्य के लिए अतिरिक्त सैन्य विमान भी क्षेत्र में भेजे गए हैं।यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि विमान का क्रैश होना केवल एक तकनीकी दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई और कारण था। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

संपादक की कलम से

तेजी से बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण और शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। जंगलों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन पृथ्वी के अस्तित्व के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण की रक्षा करना केवल सरकारों की ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी बन गई है। पिछले कुछ दशकों में विकास की दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति का अत्यधिक शोषण किया है। बड़े-बड़े उद्योग, वाहनों की बढ़ती संख्या और प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग ने वायु, जल और भूमि को प्रदूषित कर दिया है। शहरों में बढ़ते धुएं और धूल के कारण लोगों को सांस से जुड़ी बीमारियां हो रही हैं। नदियां और जल स्रोत भी गंदगी और रासायनिक कचरे से प्रदूषित हो रहे हैं, जिससे जल संकट की समस्या गहराती जा रही है। पर्यावरण असंतुलन का असर केवल प्रकृति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव मानव जीवन पर भी पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के चक्र में बदलाव आ रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। यदि समय रहते इस समस्या पर गंभीर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी पर जीवन और भी कठिन हो सकता है।इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को सख्त पर्यावरणीय नीतियां लागू करनी होंगी। औद्योगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना भी जरूरी है, ताकि पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हो सके। हालांकि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। आम नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति यदि छोटे-छोटे कदम उठाए, जैसे पानी और बिजली की बचत करना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और अधिक से अधिक पेड़ लगाना, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।इसके अलावा बच्चों और युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देकर नई पीढ़ी को प्रकृति के महत्व के बारे में बताया जाना चाहिए। जब समाज का हर वर्ग पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझेगा, तभी इस समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, तभी मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। हम विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखते हुए पर्यावरण की रक्षा के लिए गंभीर और सामूहिक प्रयास करें। तभी हम आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वस्थ पृथ्वी दे पाएंगे।

कम चरणों में कराए जा सकते हैं

पांच राज्यों के चुनाव, चुनाव आयोग अलर्ट

चुनाव आयोग 15 मार्च के बाद पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर सकता है। इस बार कम चरणों में मतदान कराने की तैयारी है। सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

चुनाव आयोग 15 मार्च के बाद चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की घोषणा कर सकता है। आयोग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में चुनाव कार्यक्रम जल्द घोषित किए जाने की संभावना है।15 मार्च पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची के खिलाफ अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि भी है, जिसे 28 फरवरी को प्रकाशित किया गया था। इस मतदाता सूची में कुल लगभग 6.4 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं।अन्य चुनावी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों—असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी—में अंतिम मतदाता सूची के खिलाफ अपील दाखिल करने की समय सीमा पहले ही समाप्त हो चुकी है। ऐसे में पश्चिम बंगाल में अपील की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की संभावना जताई जा रही है।सूत्रों के मुताबिक आगामी विधानसभा चुनाव 2021 के चुनाव कार्यक्रम की तुलना में कम चरणों में कराए जा सकते हैं। वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल में आठ चरणों में मतदान कराया गया था, जबकि असम में तीन चरणों में वोटिंग हुई थी। वहीं तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में मतदान कराया गया था। इस बार चुनाव को कम समय में सीमित चरणों में पूरा करने की योजना बनाई जा रही है। कम चरणों में चुनाव कराने की योजना को सफल बनाने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की तैयारी की जा रही है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में केंद्रीय बल तैनात किए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार इस बार तैनात किए जाने वाले केंद्रीय बलों की कुल संख्या जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान तैनात की गई 1500 कंपनियों से भी अधिक हो सकती है। उस समय लगभग 1.4 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। पश्चिम बंगाल में पहले से ही लगभग 500 कंपनियों की अग्रिम तैनाती की जा चुकी है, जिनमें करीब 45 हजार सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। चुनाव आयोग का मानना है कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सकेगा।चुनाव कार्यक्रम को लेकर यह भी संकेत मिले हैं कि पश्चिम बंगाल और असम में बहु-चरणीय मतदान हो सकता है, जबकि तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में मतदान कराया जा सकता है। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है, इसलिए संभावना जताई जा रही है कि वहां मतदान अप्रैल से शुरू होकर मई के शुरुआती दिनों तक चल सकता है। इस बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों की देखरेख में पश्चिम बंगाल में करीब 60 लाख 'संदिग्ध' मतदाताओं से जुड़े मामलों के निपटारे की प्रक्रिया भी जारी है। इन मामलों में संबंधित व्यक्तियों को न्यायाधिकरण के समक्ष आगे अपील करने का अवसर भी दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के तहत चुनाव आयोग न्यायिक अधिकारियों द्वारा अनुमोदित मामलों को शामिल करते हुए पूरक मतदाता सूची भी प्रकाशित करेगा। इधर चुनाव आयोग ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों के लिए रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार ने आयोग के अनुरोध पर आवश्यक वरिष्ठता वाले अधिकारियों को उपलब्ध कराने पर सहमति दे दी थी, जिसके बाद यह अधिसूचना जारी की गई। चुनाव आयोग की इन तैयारियों से संकेत मिल रहे हैं कि आगामी दिनों में चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा की जा सकती है।

विधानसभा चुनाव से पहले शशिकला का बड़ा दांव, नई पार्टी की घोषणा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। दिवंगत नेता जे. जयललिता की करीबी सहयोगी रहीं वी.के. शशिकला ने नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर राज्य की चुनावी राजनीति को नया मोड़ दे दिया है। उन्होंने अपनी पार्टी का नाम आल इंडिया पुराची थलैवर मक्कल मुनेत्र कझगम बताया है और उसका चुनाव चिह्न नारियल के पेड़ों का खेत रखा है। आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले इस कदम को राज्य की राजनीति में नए समीकरण बनाने वाला माना जा रहा है। वी.के. शशिकला लंबे समय तक अखिल भारतीय अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) की महत्वपूर्ण नेता रही हैं और जयललिता की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिनी जाती थीं। हालांकि बाद में पार्टी नेतृत्व से मतभेद के चलते उन्हें संगठन से बाहर कर दिया गया था। अब नई पार्टी बनाकर उन्होंने एक बार फिर सक्रिय राजनीति में वापसी का संकेत दिया है।संवाददाता सम्मेलन में शशिकला ने स्पष्ट किया कि उनकी नई पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में भाग लेगी। सूत्रों के अनुसार उनकी पार्टी लगभग 40 विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। खास तौर पर दक्षिण तमिलनाडु के थेवर बहुल इलाकों में उनकी रणनीति केंद्रित बताई जा रही है, जहां उनकी सामाजिक और राजनीतिक पकड़ मजबूत मानी जाती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि इन क्षेत्रों में शशिकला प्रभावी प्रदर्शन करती हैं तो इसका सीधा असर एआईएडीएमके के पारंपरिक वोट बैंक पर पड़ सकता है।इसी बीच शशिकला ने पीएमके के संस्थापक एस. रामदास से उनके थैलापुरम स्थित फार्महाउस में मुलाकात की। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में संभावित चुनावी गठबंधन को लेकर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि यदि यह गठबंधन बनता है तो उत्तर और दक्षिण तमिलनाडु में नया राजनीतिक समीकरण उभर सकता है। नई पार्टी की घोषणा के दौरान शशिकला ने जयललिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वर्ष 2016 में उनके निधन के बाद कई मंत्रियों और विधायकों ने उनसे मुख्यमंत्री बनने का आग्रह किया था। लेकिन उन्होंने पहले जयललिता की अंतिम रस्में पूरी करने पर जोर दिया और ओ. पन्नीरसेल्वम के मुख्यमंत्री बने रहने का समर्थन किया था।गौरतलब है

कि आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी ठहराए जाने के कारण शशिकला को चार वर्ष की जेल की सजा हुई थी, जिसके कारण वह वर्ष 2027 तक चुनाव नहीं लड़ सकती हैं। इसके बावजूद उनकी नई पार्टी के गठन से तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना जताई जा रही है।

2026 चुनाव से पहले ममता सरकार का बड़ा कदम

पांच नए बोर्ड बनाने की घोषणा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

ममता बनर्जी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए पांच नए सांस्कृतिक एवं विकास बोर्ड बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन बोर्डों के जरिए इन समुदायों की भाषाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा की जाएगी, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया कि राज्य सरकार जल्द ही मुंडा (अनुसूचित जनजाति), कोरा (अनुसूचित जनजाति), डोम (अनुसूचित जनजाति), कुंभकार (अन्य पिछड़ा वर्ग) और सदगोपे (अन्य पिछड़ा वर्ग) समुदायों के लिए अलग-अलग सांस्कृतिक एवं विकास बोर्ड गठित करेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी समुदाय बंगाल की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस पहल के माध्यम से सरकार इन समुदायों के सामाजिक और आर्थिक विकास को और मजबूत करने का प्रयास करेगी।ममता बनर्जी ने कहा कि इन बोर्डों का मुख्य उद्देश्य इन समुदायों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा करना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने बताया कि बोर्ड के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके साथ ही इन समुदायों की अनूठी भाषाओं, परंपराओं और सामाजिक पहचान को संरक्षित रखने के लिए भी विशेष योजनाएं चलाई जाएंगी।मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वर्ष 2013 से राज्य सरकार कमजोर और पिछड़े समुदायों के विकास के लिए कई सांस्कृतिक एवं विकास बोर्ड स्थापित कर चुकी है। इन बोर्डों के जरिए विभिन्न समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए योजनाएं लागू की जा रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि "मां, माटी, मानुष" के प्रति उनकी सरकार की प्रतिबद्धता का मतलब है कि राज्य में कोई भी समुदाय विकास की दौड़ में पीछे न छूटे।उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य समावेशी विकास के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक विकास के अवसर पहुंचाना है। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार हर नागरिक के चेहरे पर मुस्कान लाने और सभी समुदायों को समान अवसर देने के

लिए लगातार प्रयास कर रही है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब वर्ष 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी भी पिछले चुनाव में मिली 77 सीटों के आधार पर अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति बना रही है।

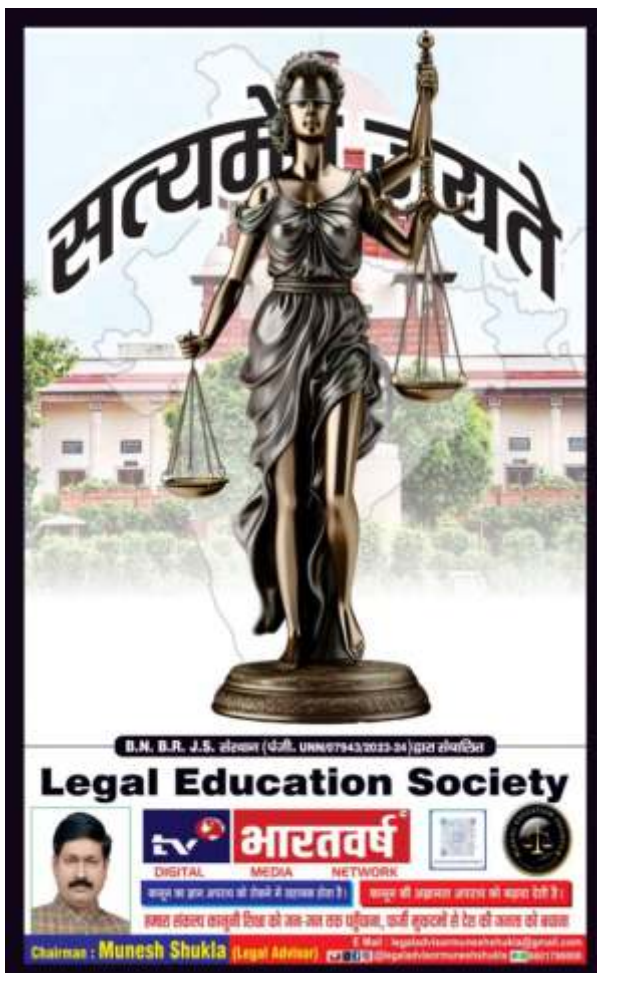

विदेश में पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना जर्मनी,

कम खर्च में मिल रही उच्च शिक्षा

विदेश में पढ़ाई करने की योजना बना रहे भारतीय छात्रों के बीच जर्मनी तेजी से एक लोकप्रिय विकल्प बनकर उभर रहा है। कम खर्च में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध होने के कारण बड़ी संख्या में भारतीय छात्र यहां उच्च शिक्षा, खासकर मास्टर्स की पढ़ाई के लिए रुख कर रहे हैं। जर्मनी की सरकारी विश्वविद्यालयों में ट्यूशन फीस नहीं ली जाती, जिससे छात्रों पर आर्थिक बोझ काफी कम हो जाता है।दरअसल, जर्मनी की सरकार उच्च शिक्षा को सब्सिडी देती है। इसी वजह से वहां की अधिकतर सरकारी यूनिवर्सिटीज में पढ़ने वाले छात्रों से ट्यूशन फीस नहीं ली जाती। इस सुविधा का लाभ सिर्फ जर्मनी के नागरिकों को ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों को भी मिलता है। भारतीय छात्रों के लिए यह एक बड़ी राहत है, क्योंकि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में उच्च शिक्षा पर लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं, जबकि जर्मनी में यह खर्च काफी कम होता है।हालांकि जर्मनी की विश्वविद्यालयों में दाखिले के समय छात्रों को कुछ सौ यूरो की प्रशासनिक फीस देनी होती है। यह फीस सेमेस्टर के हिसाब से ली जाती है और इसमें कई बार लोकल ट्रांसपोर्ट जैसी सुविधाएं भी शामिल होती हैं। इसके बावजूद कुल मिलाकर जर्मनी में पढ़ाई का खर्च अन्य प्रमुख विदेशी देशों की तुलना में काफी सस्ता माना जाता है।जर्मनी में पढ़ाई करने जाने वाले ज्यादातर भारतीय छात्र मास्टर्स डिग्री के लिए आवेदन करते हैं। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस और अन्य तकनीकी विषयों में पढ़ाई के लिए जर्मनी भारतीय छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यहां की विश्वविद्यालयें शोध और तकनीकी शिक्षा के लिए दुनिया भर में जानी जाती हैं।मास्टर्स कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को कुछ जरूरी शर्तों को पूरा करना होता है। आमतौर पर छात्रों के ग्रेजुएशन में कम से कम 70 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय अंग्रेजी भाषा की दक्षता साबित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के प्रमाणपत्र भी मांगते हैं। कुछ कोर्सेज के लिए जर्मन भाषा का ज्ञान भी जरूरी हो सकता है।जर्मनी में मास्टर्स के लिए आवेदन करते समय छात्रों को कई जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं। इनमें शैक्षणिक प्रमाणपत्र, अंकतालिकाएं, पासपोर्ट, भाषा दक्षता प्रमाणपत्र, उद्देश्य पत्र (स्टेटमेंट ऑफ पर्पस) और सिफारिश पत्र जैसे दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। कुछ विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी अपनाई जाती है।कुल मिलाकर कम खर्च, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और बेहतर करियर अवसरों के कारण जर्मनी भारतीय छात्रों के लिए एक आकर्षक शिक्षा गंतव्य बन गया है। यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मास्टर्स की पढ़ाई के लिए जर्मनी का रुख कर रहे हैं। इसके साथ ही जर्मनी में पढ़ाई पूरी करने के बाद वहां नौकरी के अवसर भी उपलब्ध होते हैं, जो छात्रों के लिए एक अतिरिक्त आकर्षण का कारण बनते हैं।

आईसीसी की बड़ी कार्रवाई: जावोन सर्ल्स, चित्ररंजन राठौड़ और ट्रेवन ग्रिफिथ सस्पेंड

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बारबाडोस में आयोजित 2023-24 के बीमा0 टूर्नामेंट के दौरान भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के उल्लंघन के आरोप में तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जावोन सर्ल्स, टाइटन्स फ्रेंचाइजी के मालिक चित्ररंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को सभी प्रकार के क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई टूर्नामेंट से जुड़ी चल रही जांच के तहत की गई है।आईसीसी के अनुसार, जावोन सर्ल्स पर क्रिकेट वेस्टइंडीज की भ्रष्टाचार-रोधी संहिता के तहत चार आरोप लगाए गए हैं। सर्ल्स वेस्टइंडीज की अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय तथा फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी खेल चुके हैं। उन्होंने कैरेबियाई प्रीमियर लीग में त्रिनबागो नाइट राइडर्स की ओर से हिस्सा लिया था। इसके अलावा वह वर्ष 2018 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।आईसीसी ने अपने बयान में कहा है कि जावोन सर्ल्स, चित्ररंजन राठौड़ और ट्रेवन ग्रिफिथ को 11 मार्च 2026 से 14 दिनों के भीतर अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देना होगा। तय समय के भीतर जवाब मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।बताया गया है कि यह मामला 2023-24 के बीमा0 टूर्नामेंट से जुड़ी व्यापक जांच का हिस्सा है, जिसमें भ्रष्टाचार और संभावित अनियमितताओं के पहलुओं की जांच की जा रही है। इस जांच के दायरे में अन्य खिलाड़ियों के नाम भी सामने आए हैं।इससे पहले अमेरिका के बल्लेबाज आरोन जोन्स पर भी इसी मामले में पांच आरोप लगाए जा चुके हैं। जांच एजेंसियां इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं, ताकि क्रिकेट में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि खेल की साख को बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार के किसी भी रूप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

आईपीएल से पहले पंत की नई तैयारी

युवराज से सीख रहे पावर हिटिंग, बदला बैटिंग स्टांस

भारत में महिलाओं के बीच बढ़ा क्रिकेट का क्रेज

2020 के बाद भागीदारी हुई दोगुनी

भारत में महिलाओं के बीच क्रिकेट खेलने की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। एक नए सर्वे के अनुसार वर्ष 2020 के बाद से देश के 14 राज्यों में महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी दोगुनी हो गई है। यह सर्वे बीबीसी और कलेक्टिव न्यूजरूम की ओर से कराया गया, जिसमें देशभर की 10 हजार से अधिक महिलाओं को शामिल किया गया।सर्वे के नतीजों के अनुसार वर्ष 2020 में जहां केवल 5 प्रतिशत महिलाओं ने क्रिकेट खेलने की बात कही थी, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 10 प्रतिशत तक पहुंच गया है। विशेष रूप से युवा महिलाओं के बीच क्रिकेट की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है।15 से 24 वर्ष की आयु वर्ग की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां अब क्रिकेट खेल रही हैं, जबकि वर्ष 2020 में यह संख्या केवल 6 प्रतिशत थी।सर्वे में यह भी सामने आया कि इसी आयु वर्ग की लगभग हर चार में से एक लड़की खेल को अपने करियर के रूप में अपनाने के बारे में सोच रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हाल की सफलताओं का भी इस बढ़ती रुचि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। टीम की उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन ने युवतियों को क्रिकेट की ओर आकर्षित किया है।रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिलाओं के बीच क्रिकेट अब पारंपरिक खेल कबड्डी से भी आगे निकल गया है। वर्ष 2020 में क्रिकेट और कबड्डी खेलने वाली महिलाओं के बीच अंतर काफी कम था, लेकिन अब क्रिकेट खेलने वाली महिलाओं की संख्या अधिक हो गई है।राज्यों के स्तर पर भी महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा 2020 में केवल 1 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 10 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसके साथ ही पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में सुमित अंतिल का जलवा, भाला फेंक में जीता स्वर्ण

दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुषों की भाला फेंक (एफ43, एफ44, एफ64) स्पर्धा में अंतिल ने 69.25 मीटर का बेहतरीन थ्रो कर शीर्ष स्थान हासिल किया और भारतीय टीम का नेतृत्व किया।तोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार दो स्वर्ण पदक जीत चुके सुमित अंतिल ने इस प्रतियोगिता में भी अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखा। इस स्पर्धा में भारत के ही पुष्पेंद्र सिंह ने 56.91 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता, जबकि पूनम राम ने 49.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक हासिल किया।प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। भारतीय दल ने कुल 167 पदक जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा है, जिनमें 54 स्वर्ण पदक शामिल हैं। वहीं रूस 23 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जिनमें 11 स्वर्ण पदक शामिल हैं।पुरुषों की 400 मीटर टी13 स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। सुबोध भट्ट ने 51.88 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। उनके बाद प्रियांशु कौशिक ने 53.19 सेकंड के साथ रजत पदक और अवनिल कुमार ने 56.91 सेकंड के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।पुरुषों की 400 मीटर टी46-टी47 स्पर्धा में भाविककुमार दीन भरवाड़ ने 49.89 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। उनके साथी खिलाड़ी जसबीर ने 50.09 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि सर्बिया के इवान क्चेतकोविक ने 50.93 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। व्हीलचेयर वर्ग की पुरुषों की 400 मीटर टी53-टी54 स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मनोज कुमार सबपति ने 54.33 सेकंड में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अनिल कुमार ने 57.57 सेकंड में रजत और मणिकंदन जोथी ने 1:01.94 के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।महिलाओं की स्पर्धाओं में भी भारत का दबदबा रहा। 400 मीटर टी11-टी12 स्पर्धा में तेजलबेन अमराजी डामोर ने 57.53 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। ललिता किलाका ने 1:07.92 सेकंड के साथ रजत और शालिनी चौधरी ने 1:16.79 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया।इसके अलावा लक्ष्मी ने महिलाओं की चक्का फेंक एफ36-एफ37-एफ40 स्पर्धा में 7.76 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता। अकुताई सीताराम उलभगत ने 5.49 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भूटान की चिमी डेमा ने 5.27 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

सनराइजर्स लीड्स में शामिल हुए अबरार अहमद, सोशल मीडिया पर उठे सवाल

भारतीय स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने इंग्लैंड में होने वाली द हंड्रेड लीग के लिए पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अबरार अहमद को अपनी टीम में शामिल किया है। गुरुवार को आयोजित नीलामी में सनराइजर्स लीड्स की मुख्य कार्यकारी अधिकारी काव्या मारन ने अबरार अहमद को 1.90 लाख पाउंड (करीब 2.34 करोड़ रुपये) में खरीदा। इसके साथ ही अबरार द हंड्रेड लीग में किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी से जुड़ने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए हैं। द हंड्रेड लीग का नया सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। इस लीग में विभिन्न देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं और इसमें कई अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजियां भी भाग लेती हैं। सनराइजर्स लीड्स के साथ जुड़ने के बाद अबरार अहमद के चयन को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ लोगों ने इस फैसले की आलोचना भी की है। इस मामले पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आईपीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को शामिल करने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीसीसीआई का अधिकार क्षेत्र केवल इंडियन प्रीमियर लीग तक सीमित है। राजीव शुक्ला ने कहा कि "हमारे आईपीएल में ऐसा कुछ नहीं है। हमारा अधिकार क्षेत्र आईपीएल तक ही आता है। इसके बाहर किसी अन्य लीग में कौन क्या कर रहा है, उसमें हम हस्तक्षेप नहीं कर सकते। यह पूरी तरह संबंधित फ्रेंचाइजी और लीग पर निर्भर करता है कि वे किस खिलाड़ी को शामिल करना चाहते हैं।"भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने वर्ष 2009 के बाद से किसी भी पाकिस्तानी खिलाड़ी को अपनी टीम में शामिल नहीं किया है। आईपीएल के शुरुआती संस्करण में पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ी खेले थे, लेकिन बाद में दोनों देशों के संबंधों में आई तल्खी के कारण पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी समाप्त हो गई। सनराइजर्स लीड्स की मालिकाना कंपनी सन ग्रुप है, जो भारत की प्रमुख मीडिया कंपनियों में से एक है।

कतर में फंसे बिजनेसमैन ने सुनाई आपबीती

जब सिर के ऊपर से गिरने लगे बम

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉन टैटम अमेरिका के काफी प्रभावशाली व्यापारियों में से एक हैं. फिर भी जब दोहा के डाउनटाउन में उनके होटल के कमरे के ऊपर बम गिरने लगे - जो कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकाने से कुछ ही मिनटों की दूरी पर था - तो वह खुद को बुरी तरह से फंसे हुए और असहाय महसूस कर रहे थे.

यूएस और इजरायल लगातार ईरान पर हमला कर रहा है (Photo - AP)

अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद जब ईरान ने जवाब में खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी मिलिट्री बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागना शुरू किया तो इन देशों में फंसे कई विदेशी नागरिकों की जान पर बन आई. इनमें हजारों अमेरिकी भी शामिल थे. ईरान के ऐसे ही हमलों के बीच कतर में फंसे एक दिग्गज अमेरिकी स्पोर्ट्स बिजनेसमैन जॉन टैटम ने उस भयावह मंजर से बच निकलने की अपनी कहानी सुनाई. जब अचानक से शांत और सिक्योर माने जाने वाले कतर में उन्होंने सिर के ऊपर से बम और मिसाइल को नीचे गिरते देखा.

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉन टैटम अमेरिका के काफी प्रभावशाली व्यापारियों में से एक हैं.

फिर भी जब दोहा के डाउनटाउन में उनके होटल के कमरे के ऊपर बम गिरने लगे - जो कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकाने से कुछ ही मिनटों की दूरी पर था - तो वह खुद को बुरी तरह से फंसे हुए और असहाय महसूस कर रहे थे. व्हाइट हाउस में संपर्क और अन्य प्रभावशाली शख्सियतों से जान-पहचान भी काम नहीं आई. ईरान ने जब जवाबी कार्रवाई शुरू कि तो अमेरिकी विदेश विभाग में बैठे अफसर अपने आम नागरिकों को छोड़िए, जॉन टैटम जैसे बड़े कारोबारी का भी कॉल रिसीव नहीं कर रहे थे. ⊙

गेंद गुम होने पर पुलिस की अनोखी पोस्ट

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को शिकस्त दी. इसके साथ ही भारत टी-20 वर्ल्ड कप को तीसरी बार जीतने वाला पहला देश भी बन गया है. भारत ने 2007 और 2024 के बाद अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है. देश के लोगों के साथ सोशल मीडिया पर भी इसका असर देखा गया. ⊙

प्लेन में एयर होस्टेस की बच्चों संग मस्ती

छोटे बच्चे के साथ हवाई सफर करना माता-पिता के लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है. ऐसे में एक कपल के साथ हाल ही में एयरपोर्ट पर ऐसी घटना घटी, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल छू लिया. जब कपल अपने छोटे से बच्चे के साथ फ्लाइट के इंतजार में थे, तभी इंडिगो की फ्लाइट अटेंडेंट्स और केबिन क्रू ने उनके बच्चे को गोद में उठाकर उसे प्यार किया, उसके साथ खेलते रहे और खूब मस्ती की. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @khayarphy नाम के हैंडल से इस घटना के वीडियो के साथ एक पोस्ट शेयर किया गया है. वीडियो में छोटे से बच्चे और इंडिगो के केबिन क्रू सदस्यों के बीच दिलचस्प इंट्रैक्शन का

पल दिखाया गया है. बच्चे की मां के अनुसार, यह घटना तब घटी जब परिवार हवाई अड्डे पर अपनी फ्लाइट में चढ़ने का इंतजार कर रहा था. इस वीडियो में नीली ड्रेस पहने इंडिगो की कई फ्लाइट अटेंडेंट एक छोटी बच्ची को गोद में उठाकर उसका गर्मजोशी से स्वागत करती नजर आ रही हैं. ⊙

नाचने लगे सारे बाराती

बैंड वाला करने लगा कॉमेंट्री

भारत में क्रिकेट का जुनून ऐसा है कि हालात जैसे भी हों, लोग मैच का अपडेट जरूर जानना चाहते हैं. कल T20 वर्ल्ड कप फाइनल था और पूरे देश की नजर भारत बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले पर टिकी हुई थी. भारत ने इस मैच में शानदार जीत दर्ज की.

लेकिन इसी बीच एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर साफ समझ आता है कि क्रिकेट भारत के लोगों के दिलों में किस तरह बसा हुआ है. यह वायरल वीडियो आगरा की एक शादी का बताया जा रहा है. शादी में जश्न और रौनक अपने चरम पर थी, लेकिन उसी समय टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल भी चल रहा था. ऐसे में बारातियों ने एक अनोखा जुगाड़ निकाल लिया. उन्होंने दूल्हे

यह वायरल वीडियो आगरा की एक शादी का बताया जा रहा है (Photo:X/@SachinGuptaUP)

की बारात को ही लाइव मैच का स्टेडियम बना दिया. वीडियो में देखा जा सकता है कि बारात के बीच हर गेंद का लाइव अपडेट और कमेंट्री सुनाई जा रही है.

जैसे ही मैच में कोई बड़ा पल आता है, बाराती झूम उठते हैं. शादी के जश्न के साथ-साथ क्रिकेट का रोमांच भी बराबर चल रहा था. इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं. एक यूजर ने लिखा कि विवाह का पल तो वैसे ही यादगार होता है, ऊपर से मैच का भी ऐलान हो रहा है और भारत जीत भी गया. यह वाकई अद्भुत पल है." वहीं एक अन्य यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वाह! ताजनगरी आगरा में मोहब्बत के साथ-साथ क्रिकेट का भी 'निकाह' हो गया. ⊙

थिएटर्स के बाद अब OTT पर आएगी 'बॉर्डर 2'

20 मार्च से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अभिनीत फिल्म 'बॉर्डर 2' अब सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। जिन दर्शकों ने अब तक यह फिल्म बड़े पर्दे पर नहीं देखी है, वे अब इसे घर बैठे आराम से देख सकेंगे। यह फिल्म 20 मार्च से ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की जाएगी।फिल्म 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रिलीज के बाद फिल्म ने अपनी कहानी, देशभक्ति से भरपूर गानों और युद्ध से जुड़े दृश्यों के कारण काफी सुर्खियां बटोरीं। हालांकि फिल्म के कुछ गानों को लेकर विवाद भी सामने आए थे, लेकिन इसके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई करने में सफल रही।यह फिल्म वर्ष 1997 में आई सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है। जहां 1997 में रिलीज हुई फिल्म लोंगेवाला की ऐतिहासिक लड़ाई पर आधारित थी, वहीं 'बॉर्डर 2' में उस युद्ध के बाद की कहानी को आगे बढ़ाया गया है। फिल्म में ऑपरेशन चंगेज खान की कहानी दिखाई गई है, जिसमें जमीन, हवा और समुद्र—तीनों मोर्चों पर युद्ध लड़ा गया था।फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है, जबकि 1997 में आई फिल्म के निर्देशक जेपी दत्ता की बेटी निधि दत्ता ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म में कई बड़े कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।फिल्म में सनी देओल ने लेफ्टिनेंट कर्नल फतेह सिंह कलेर का किरदार निभाया है। वहीं वरुण धवन मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका में नजर आए हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया बसंतर की लड़ाई के वीर योद्धा थे और उन्हें मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था।इसके अलावा अहान शेट्टी ने फिल्म में भारतीय नौसेना के अधिकारी एम.एस. रावत की भूमिका निभाई है, जबकि दिलजीत दोसांझ ने वायुसेना के अधिकारी निर्मलजीत सिंह शेखों का किरदार निभाया है। फिल्म में इन सभी कलाकारों के अभिनय को दर्शकों ने काफी सराहा है।अब फिल्म की डिजिटल रिलीज की भी घोषणा हो चुकी है। नेटफ्लिक्स के मंच पर फिल्म का नाम और इसकी रिलीज तिथि भारत की सूची में दिखाई दे रही है, जिसमें 20 मार्च की तारीख बताई गई है। इस तरह यह फिल्म अपनी सिनेमाघर रिलीज के दो महीने से भी कम समय में ओटीटी मंच पर उपलब्ध हो जाएगी।फिल्म के ओटीटी पर आने से उन दर्शकों को खास फायदा होगा, जो किसी कारणवश सिनेमाघरों में जाकर इसे नहीं देख पाए थे। अब वे घर बैठे ही इस देशभक्ति और युद्ध पर आधारित फिल्म का आनंद ले सकेंगे।

लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर फेज-2 का लोकार्पण

राजनाथ सिंह-योगी ने किया उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर फेज-2 का उद्घाटन किया। परियोजना से शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और करीब 10 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। साथ ही जल्द शुरू होने वाले लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे से दोनों शहरों के बीच सफर 35-40 मिनट में पूरा होगा।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर फेज-2 का लोकार्पण किया। समता मूलक चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ फीता काटकर इस परियोजना को जनता को समर्पित किया। इस मौके पर ग्रीन कॉरिडोर के तीसरे और चौथे चरण का शिलान्यास भी किया गया।इसके बाद झूलेलाल पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ और कानपुर के बीच बनने वाला एक्सप्रेसवे जल्द ही शुरू होने वाला है। उन्होंने बताया कि इस महीने के अंत या अप्रैल की शुरुआत में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी मात्र 35 से 40 मिनट में तय की जा सकेगी, जिससे आवागमन काफी आसान हो जाएगा।राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि योगी जी को लोग "बुलडोजर बाबा" के नाम से जानते हैं और उन्होंने प्रदेश में माफिया तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर केवल अवैध निर्माण हटाने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह नए विकास की जमीन भी तैयार करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ रक्षा क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रह्मोस मिसाइल और एयरोस्पेस से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं लखनऊ में स्थापित की जाएंगी। ब्रह्मोस मिसाइल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से देश ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत और प्रभावी जवाब दिया है।कार्यक्रम में मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी लखनऊ के विकास को लेकर सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह के नेतृत्व में लखनऊ विकास के मामले में देश के प्रमुख शहरों में शामिल हो गया है। ग्रीन कॉरिडोर के बनने से शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। उन्होंने कहा कि अब डालीगंज से आईआईएम रोड तक की दूरी मात्र 15 मिनट में तय की जा सकेगी, जिससे लोगों को काफी राहत मिलेगी।इस अवसर पर ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों को भी सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना का कार्य रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है।गौरतलब है कि गोमती नदी के दोनों किनारों पर विकसित किया जा रहा ग्रीन कॉरिडोर कुल 57 किलोमीटर लंबा होगा। इस परियोजना को चार चरणों में विकसित किया जा रहा है। इसमें चौड़ी सड़कों, छह लेन मार्ग, हरियाली और सुगम यातायात के लिए आधुनिक डिजाइन को शामिल किया गया है। ग्रीन कॉरिडोर के दूसरे चरण के शुरू होने से शहर के लगभग 10 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क भी मजबूत होगा। प्रशासन का कहना है कि यह परियोजना लखनऊ के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ शहर के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

लखनऊ में चटक धूप और गर्म हवाओं का असर, 15 मार्च से बारिश की संभावना

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मार्च के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। 13 मार्च को प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में तेज धूप और उमस भरा मौसम बना हुआ है, जबकि कुछ इलाकों में मौसम अचानक बदलने की संभावना भी जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल गर्मी सामान्य से पहले और अधिक तीव्र रूप में महसूस हो रही है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान 38 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। शहर में तेज धूप के साथ उमस महसूस हो रही है और कुछ इलाकों में हल्के बादल भी देखे जा सकते हैं। कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों में तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इन शहरों में दिन के समय गर्मी चुभने वाली महसूस हो रही है और धूप काफी तेज है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ, आगरा और नोएडा जैसे शहरों में तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। यहां मौसम गर्म और अपेक्षाकृत शुष्क बना हुआ है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्के बादल और हवाओं के कारण तापमान 35 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम से जुड़े कई अपडेट और विभिन्न स्रोतों के अनुसार प्रदेश के कुछ हिस्सों में आज और अगले एक-दो दिनों के दौरान मौसम बदल सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मध्य और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश या छिटपुट बारिश होने की संभावना जताई जा रही है।

लोहिया संस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं का होगा विस्तार

डॉक्टर-नर्स और टेक्नीशियन की होगी भर्ती

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मेडिकल क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर आने वाला है। संस्थान में बन रही नई बिल्डिंग के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और टेक्नीशियनों की भर्ती की जाएगी। इस पहल से न केवल मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए भी रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।संस्थान प्रशासन के अनुसार नई बिल्डिंग के निर्माण के साथ विभिन्न विभागों की सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा। बढ़ती स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अतिरिक्त डॉक्टर, स्टाफ नर्स और तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। इसी को ध्यान में रखते हुए भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को अधिक व्यवस्थित और बेहतर उपचार मिल सकेगा।बताया जा रहा है कि लोहिया संस्थान में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल की सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। नई बिल्डिंग बनने के बाद कई विभागों की क्षमता बढ़ेगी और मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इससे अस्पताल पर बढ़ रहे दबाव को भी कम करने में मदद मिलेगी। संस्थान में इमरजेंसी सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में 40 बेड और बढ़ाए जाएंगे। इससे पहले भी इमरजेंसी में बेड की संख्या बढ़ाई जा चुकी है, लेकिन रोजाना बढ़ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए एक बार फिर विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इमरजेंसी वार्ड में अतिरिक्त बेड बढ़ने से गंभीर मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। कई बार मरीजों की अधिक संख्या के कारण इमरजेंसी सेवाओं पर दबाव बढ़ जाता है, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज मिल सकेगा। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि स्वास्थ्य सेवाओं के इस विस्तार से न केवल इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि मेडिकल क्षेत्र से जुड़े युवाओं को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। आने वाले समय में संस्थान में नई सुविधाएं शुरू होने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

लखनऊ में अलविदा जुमे के बाद प्रदर्शन

ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ लगे नारे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में अलविदा की नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। नमाज से पहले शहर की कई मस्जिदों के बाहर जमीन पर अमेरिका और इजराइल के झंडों को पायदान के रूप में बिछाया गया, जिन पर चलते हुए नमाजी मस्जिदों के अंदर प्रवेश करते दिखाई दिए।अलविदा की नमाज अदा करने के बाद बड़ी संख्या में लोग बड़ा इमामबाड़ा परिसर में एकत्रित हुए, जहां शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजराइल की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और दोनों देशों के नेतृत्व पर कड़ी नाराजगी जताई।प्रदर्शन के दौरान बड़ा इमामबाड़ा के बाहर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों को जलाया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'नेतन्याहू आतंकवादी' और 'ट्रंप आतंकवादी' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि इजराइल की कार्रवाई से निर्दोष लोगों की जान जा रही है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस पर सख्त रुख अपनाना चाहिए।करीब तीन घंटे तक चले इस प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। बड़ा इमामबाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना को रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर पूरे घटनाक्रम की निगरानी की। प्रशासन के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान स्थिति नियंत्रण में रही और कहीं से भी किसी तरह की हिंसा या टकराव की सूचना नहीं मिली। हालांकि, बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने के कारण क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए थे।

लखनऊ: 'चतुरंगिणी' बनाएंगे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गो-रक्षा के लिए 'धर्मयुद्ध' का ऐलान करते हुए एक नई 'चतुरंगिणी' व्यवस्था बनाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि संत समाज साधु-संतों और अनुयायियों के साथ गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा और बताएगा कि जो गाय की रक्षा के साथ खड़ा है, जनता उसी का समर्थन करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी राजनीतिक दल के समर्थन में नहीं होगा, बल्कि लोगों को तथ्यों के आधार पर जागरूक किया जाएगा। यह घोषणा उन्होंने बुधवार को लखनऊ के कांशीराम स्मृति उपवन में 40 दिन की गो प्रतिष्ठार्थ धर्मयुद्ध यात्रा के समापन के दौरान की। शंकराचार्य ने कहा कि गो-संरक्षण के लिए संत समाज एक चतुरंगिणी व्यवस्था बनाएगा। इसके चार अंग होंगे, सन्यासी, वैरागी, उदासीन और आम अनुयायी। उन्होंने बताया कि इसमें शामिल होने वाले हर व्यक्ति का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाएगा, ताकि कोई गलत गतिविधि न हो सके। उनका कहना था कि यदि किसी व्यक्ति पर अन्याय होता है या धर्म और संस्कृति पर संकट आता है तो संत समाज उसकी लड़ाई लड़ेगा।

लखनऊ पहुंचे राहुल गांधी

भारत-अमेरिका डील और मोदी सरकार पर साधा निशाना

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे, जहां उन्होंने एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए दलित नेताओं डॉ. भीमराव आंबेडकर और कांशीराम की विचारधारा की सराहना की। इस दौरान उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला।राहुल गांधी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम एपस्टीन फाइल में सामने आया है और उनकी बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस की फंडिंग होने की बात भी सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर हो चुके हैं और देश के प्रधानमंत्री की तरह नहीं, बल्कि अमेरिका के हितों के अनुसार काम कर रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि जब वह इस मुद्दे को संसद में उठाने जा रहे थे तो प्रधानमंत्री वहां से निकल गए।कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत-अमेरिका समझौते के कारण देश की ऊर्जा सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। उनका कहना था कि अब यह अमेरिका तय करेगा कि भारत तेल कहां से खरीदेगा, जिससे देश के ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति और खराब हो सकती है। राहुल गांधी ने बसपा संस्थापक कांशीराम के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांशीराम समाज में बराबरी और सामाजिक न्याय की बात करते थे। राहुल ने स्वीकार किया कि कांग्रेस कई मामलों में अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी, जिसके कारण कांशीराम जैसे नेताओं को उभरने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस ने सही ढंग से काम किया होता तो कांशीराम की राजनीतिक सफलता का स्वरूप अलग होता।संविधान को लेकर भी राहुल गांधी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में दलित और वंचित समाज के महान नेताओं की आवाज शामिल है, लेकिन इसमें विनायक दामोदर सावरकर और नाथूराम गोडसे की विचारधारा की कोई जगह नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान की मूल विचारधारा को नहीं मानते।राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका से करीब 9 लाख करोड़ रुपये का सामान खरीदने की बात कही है। उनके अनुसार इससे भारतीय व्यापारियों और किसानों पर असर पड़ सकता है, क्योंकि कपास, सोया, फल, बादाम और अखरोट जैसे उत्पाद अमेरिका से बड़े पैमाने पर भारत में आ सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी नसीहत दी। जब कार्यकर्ता 'राहुल गांधी जिंदाबाद' के नारे लगाने लगे तो उन्होंने कहा कि केवल नारे लगाने से कोई फायदा नहीं होता। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्हें संकल्प लेकर काम करना होगा और यह तय करना होगा कि वे अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को ऐसे 100 समर्पित कार्यकर्ताओं की जरूरत है, जो पार्टी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हों और किसी भी परिस्थिति में पीछे न हटें। उनका मानना है कि यदि ऐसे कार्यकर्ता मिल जाते हैं तो राज्य में कांग्रेस को मजबूत किया जा सकता है और राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है।

उन्नाव में रिंग रोड निर्माण को लेकर विवाद

किसानों-मछुआरों ने लगाया जबरन मिट्टी खनन का आरोप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जिले में निर्माणाधीन रिंग रोड परियोजना को लेकर विवाद गहरा गया है। सदर तहसील क्षेत्र के सरवागर दुधौड़ा गांव में किसानों और मछुआरों ने रिंग रोड निर्माण से जुड़े ठेकेदारों पर जबरन मिट्टी खनन और जमीन को नुकसान पहुंचाने का गंभीर आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना अनुमति जेसीबी मशीनों से खेतों और ग्राम समाज की भूमि से मिट्टी निकाली जा रही थी, जिससे उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है।मामले की जानकारी मिलने पर निषाद पार्टी के सह प्रभारी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रामखेलावन निषाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर पूरी स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।ग्रामीणों के अनुसार रिंग रोड निर्माण कार्य में लगे ठेकेदारों द्वारा ग्राम समाज की भूमि और मछुआरों के खेतों से जबरन मिट्टी खोदी जा रही थी। विरोध करने के बावजूद खनन कार्य नहीं रोका गया, जिससे किसानों और मछुआरों में आक्रोश फैल गया। मछुआरा समुदाय के लोगों ने बताया कि अवैध रूप से मिट्टी निकाले जाने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है और उनकी जीविका प्रभावित हो रही है। साथ ही राजस्व विभाग को भी इससे भारी क्षति पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।स्थिति गंभीर होने पर स्थानीय मछुआरों ने निषाद पार्टी के सह प्रभारी रामखेलावन निषाद को फोन कर मौके पर बुलाया। सूचना मिलने पर वे गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने उपजिलाधिकारी (एसडीएम) उन्नाव को फोन कर मामले से अवगत कराया और तत्काल अवैध खनन रुकवाने की मांग की। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद एसडीएम और क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और चल रहे मिट्टी खनन कार्य को तत्काल रुकवा दिया। इसके बाद ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया कि पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।रामखेलावन निषाद ने आरोप लगाया कि रिंग रोड निर्माण से जुड़े कुछ ठेकेदार और दबंग लोग मछुआरों का लगातार उत्पीड़न कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक फार्म संचालक ने मछुआरे के खेत में खड़े प्रतिबंधित पेड़ों को काट दिया और खेत को तालाब जैसा बना दिया, जिससे किसान को भारी नुकसान हुआ है। मौके पर मौजूद किसान रामनरेश ने भी बताया कि बिना किसी अनुमति के उनके खेतों से मिट्टी निकाली जा रही थी। इससे खेती योग्य जमीन खराब हो रही है और भविष्य में खेती करना मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और हुए नुकसान का मुआवजा दिलाने की मांग की। निषाद पार्टी नेता रामखेलावन निषाद ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और मछुआरों के हितों की बात करती है, लेकिन स्थानीय स्तर पर हो रही ऐसी घटनाएं सरकार की मंशा पर सवाल खड़े कर रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मछुआरों और किसानों का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।फिलहाल प्रशासन ने पूरे मामले की जांच कराने की बात कही है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

हसनगंज में हादसा: ट्रैक्टर नहर में गिरा, मिस्त्री पप्पू की मौके पर मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र में एक ट्रैक्टर नहर में पलटने से ट्रैक्टर मिस्त्री की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान नसरतपुर जंगलों मऊ, हसनगंज निवासी 42 वर्षीय पप्पू पुत्र स्वर्गीय नन्हा के रूप में हुई है। पप्पू पेशे से ट्रैक्टर मिस्त्री थे और आसपास के गांवों में ट्रैक्टर मरम्मत का काम करते थे। गुरुवार को उन्हें किसी व्यक्ति ने ट्रैक्टर में आई खराबी देखने के लिए बुलाया था।

जानकारी के अनुसार, पप्पू ट्रैक्टर की जांच करने मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पास की नहर में पलट गया। इस हादसे में पप्पू गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। शुक्रवार सुबह मृतक के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। परिजनों ने बताया कि पप्पू परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके चार बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटे और एक बेटी शामिल हैं। पिता की असामयिक मृत्यु से परिवार पर गहरा संकट आ गया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह एक दुर्घटना का मामला प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

फतेहपुर चौरासी में दबंगों का कहर, घर में घुसकर मां-बेटे को पीटा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र में घर में घुसकर युवक और उसकी वृद्ध मां पर लाठी-डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कई लोगों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। उश्मन गांव में एक युवक और उसकी वृद्ध मां पर घर में घुसकर हमला कर दिया गया। हमलावरों ने लाठी-डंडों से मारपीट कर दोनों को घायल कर दिया। पीड़ित युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह और उसका भाई बीएसएनएल में काम करते हैं और महाराष्ट्र में तैनात हैं, इसलिए कई महीनों तक घर नहीं आ पाते। घर पर उनकी वृद्ध मां शकुंतला देवी अकेली रहती हैं। पीड़ित के अनुसार 12 मार्च की सुबह गांव के आमीन पुत्र मेहंदी हसन, इरफान उर्फ गरी के साले, माशूक पुत्र अलीशेर, गुड्डू पुत्र मुंड और एक अज्ञात व्यक्ति उसके घर के सामने कई बार चक्कर लगा रहे थे और अभद्र टिप्पणियां करते हुए गाली-गलौज कर रहे थे। बरामदे में बैठी मां शकुंतला देवी ने बाहर आकर उन्हें समझाया कि घर में महिलाएं अकेली रहती हैं, इसलिए ऐसी हरकतें न करें। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर आरोपी कुछ देर बाद लाठी-डंडे लेकर जबरन घर में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब युवक बाहर आया तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर दिया। आरोप है कि आमीन ने पीछे से युवक के सिर पर लाठी से वार किया, जिससे उसका सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित किसी तरह जान बचाकर करीब 70 मीटर दूर अपने चाचा के घर पहुंचा और वहां शरण ली। आरोप है कि हमलावर वहां तक उसका पीछा करते हुए पहुंचे और जान से मारने की धमकी देते रहे। इस दौरान आरोपियों ने उसकी वृद्ध मां के साथ भी मारपीट की, जिससे उनके कंधे में गंभीर चोट आई और हड्डी टूट गई।

उन्नाव में बिजली विभाग की टीम पर हमला

बकाया बिल की जांच के दौरान मारपीट का आरोप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले के अचलगंज थाना क्षेत्र में बकाया बिजली बिल की जांच के लिए पहुंची बिजली विभाग की टीम के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कनेक्शन काटने की कार्रवाई से नाराज कुछ स्थानीय लोगों ने विभागीय कर्मचारियों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। घटना गुरुवार की बताई जा रही है, जबकि इसका वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अचलगंज पावर हाउस की टीम गांव रिठनाई में बकाया बिल वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ चेकिंग अभियान चला रही थी। इस अभियान के तहत बिजली विभाग के कर्मचारी बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की कार्रवाई कर रहे थे। टीम में जूनियर इंजीनियर (जेई) समेत विभाग के अन्य कर्मचारी भी शामिल थे।बताया जा रहा है कि जब बिजली विभाग की टीम गांव में एक उपभोक्ता का कनेक्शन काटने पहुंची, तभी कुछ स्थानीय लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे यह विवाद बढ़ गया और आरोप है कि कुछ लोगों ने बिजली विभाग की टीम के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट कर दी। अचानक हुई इस घटना से टीम के सदस्य असहज हो गए और उन्हें वहां से हटने को मजबूर होना पड़ा। घटना के दौरान गांव के सुनील बाजपेई और अशोक कुमार के नाम सामने आए हैं। इन दोनों पर बिजली विभाग की टीम के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। मारपीट की सूचना मिलते ही पुलिस को इसकी जानकारी दी गई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। थाना अचलगंज के इंस्पेक्टर ब्रजेश शुक्ला ने बताया कि बिजली विभाग की टीम के साथ मारपीट की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है और उपखंड अधिकारी (एसडीओ) से भी बातचीत की जा रही है। विभागीय अधिकारियों की ओर से तहरीर मिलने के बाद आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि सरकारी कार्य में बाधा डालना और सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट करना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

उन्नाव में युवक पर फायरिंग का खुलासा

मुख्य आरोपी समेत चार गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले के अचलगंज थाना क्षेत्र में युवक पर फायरिंग की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। घटना का लाइव वीडियो सामने आने के बाद यह मामला काफी चर्चा में रहा था।जानकारी के अनुसार बीते बुधवार को डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली थी कि अचलगंज थाना क्षेत्र के ग्राम घर्षिल पुरवा में 19 वर्षीय लवकुश यादव को चंदन निषाद ने गोली मार दी है। गोली लगने से लवकुश गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच और स्थानीय लोगों से पूछताछ में पता चला कि घायल लवकुश और मुख्य आरोपी चंदन निषाद पहले आपस में दोस्त थे। दोनों मुंबई में रहकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए रील बनाते थे। बताया जा रहा है कि किसी व्यक्तिगत विवाद के चलते दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी। इसी विवाद के दौरान आरोपी चंदन ने गुस्से में आकर लवकुश पर फायरिंग कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद घायल के पिता रामकेश की तहरीर पर थाना अचलगंज में चंदन निषाद, फूलचंद निषाद और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देश पर पुलिस टीम ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान शुरू किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी चंदन (22) पुत्र नन्हकी उर्फ रामकिशन निवासी घस्सिलपुरवा सहित उसके तीन साथियों फूलचंद्र (21), संजीत (19) और गोविंद (25) को बलाई घाट मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी चंदन की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया।बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ा दी है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी चंदन का आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पहले से मारपीट और धमकी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच भी जारी है।

रमजान के आखिरी जुमे पर उन्नाव पुलिस अलर्ट, ड्रोन कैमरों से रखी जा रही नजर

उन्नाव में रमजान माह के आखिरी शुक्रवार यानी अलविदा जुमे की नमाज के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस प्रशासन ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है, साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अलविदा जुमे की नमाज के मद्देनजर सुरक्षा की विस्तृत योजना पहले ही तैयार कर ली गई थी। कोतवाली थाना क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हो सके और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। रमजान के अंतिम दिनों में बड़ी संख्या में लोग मस्जिदों में नमाज अदा करने पहुंचते हैं, जिसे देखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यदि अगले शनिवार को ईद पड़ती है, तो उससे पहले एक और जुमे की नमाज हो सकती है, इसलिए प्रशासन ने अभी से पूरी तैयारियां कर ली हैं। जनपद के सभी राजपत्रित पुलिस अधिकारियों को भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए गए हैं। वे अलग-अलग क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेंगे और तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। सभी थाना प्रभारी भी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई स्थानों पर ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आवश्यकतानुसार ड्रोन कैमरों के माध्यम से भीड़ और गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

रैपर बादशाह के गाने 'टटीरी' पर बढ़ा विवाद

अपर्णा यादव ने यूपी में स्टेज शो पर रोक लगाने की मांग की

रैपर बादशाह के हरियाणवी गाने 'टटीरी' को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर यूपी में बादशाह के स्टेज शो पर रोक लगाने की मांग की है। गाने में महिलाओं के प्रति अशोभनीय भाषा और प्रस्तुति का आरोप लगाया गया है।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

रैपर बादशाह के हाल ही में रिलीज हुए हरियाणवी ट्रैक 'टटीरी' को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। गाने के बोल और उसमें दिखाए गए दृश्यों को लेकर कई जगहों पर आपत्ति जताई जा रही है। अब इस मामले में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रदेश में बादशाह के सभी स्टेज शो पर रोक लगाने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने गाने को लेकर सख्त कार्रवाई करने की भी अपील की है।अपर्णा यादव का कहना है कि इस गाने के बोल और उसमें इस्तेमाल किए गए शब्द बेहद द्विअर्थी और अश्लील हैं, जो समाज और विशेष रूप से युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गाने में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है और स्कूल की छात्राओं को अनुचित ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जो सामाजिक दृष्टि से बेहद आपत्तिजनक है। अपर्णा यादव ने कहा कि हरियाणा के गायक बादशाह की एल्बम 'टटीरी' में महिलाओं के लिए बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही इसमें स्कूल यूनिफॉर्म में छात्राओं को दिखाया गया है, जिन्हें अशोभनीय तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उनका कहना है कि इस तरह की सामग्री समाज में गलत संदेश देती है और युवाओं के मन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले भी कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें फिल्मों या अन्य दृश्य माध्यमों में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार को दिखाया गया और बाद में समाज में भी उसी प्रकार की घटनाएं देखने को मिलीं। उनके अनुसार इस तरह की सामग्री लोगों के व्यवहार को प्रभावित कर सकती है, जिससे सामाजिक वातावरण पर नकारात्मक असर पड़ता है।इसी को ध्यान में रखते हुए अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया है कि पूरे उत्तर प्रदेश में बादशाह के स्टेज कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और समाज की गरिमा को बनाए रखने के लिए इस तरह के मामलों में सख्त कदम उठाना जरूरी है। दूसरी ओर, इस गाने को लेकर मामला हरियाणा में भी पहुंच चुका है। हरियाणा महिला आयोग के संज्ञान लेने के बाद रैपर बादशाह के खिलाफ वहां मामला दर्ज किया गया है। इस पूरे विवाद के बाद बादशाह ने एक वीडियो जारी कर इस गाने को लेकर माफी भी मांगी है। बादशाह द्वारा जारी वीडियो में उन्होंने कहा कि यदि उनके गाने से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें इसका खेद है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य किसी का अपमान करना नहीं था। हालांकि इसके बावजूद इस गाने को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। फिलहाल यह मुद्दा सोशल मीडिया और विभिन्न मंचों पर चर्चा का विषय बना हुआ है। कई लोग गाने के पक्ष और विपक्ष में अपनी राय रख रहे हैं। वहीं प्रशासनिक और आयोग स्तर पर भी इस मामले पर आगे की कार्रवाई को लेकर विचार किया जा रहा है।

'हे चोर जी इतनी दया करो...': पेट्रोल चोरी से तंग निवासी का अनोखा विरोध

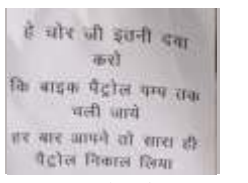

टीवी भारतवर्ष गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एनक्लेव सोसायटी में बाइक से बार-बार पेट्रोल चोरी से परेशान एक निवासी ने अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने चोरों के नाम बाइक पर ही पर्ची लगा दी, जिस पर लिखा है, 'हे चोर जी इतनी दया करो कि बाइक पेट्रोल पम्प तक चली जाए, हर बार आपने तो सारा ही पेट्रोल निकाल लिया।" यह मामला अब सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहा है। एम-1/411 फ्लैट निवासी एडवोकेट विक्रम चौधरी ने बताया कि उनकी मोटरसाइकिल से लगातार पेट्रोल चोरी हो रहा है। कई बार आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों को शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। आखिरकार परेशान होकर उन्होंने चोरों के नाम ही यह पर्ची लिखकर बाइक पर लगा दी, जो अब सोसायटी में चर्चा का विषय बन गई है। साथ ही उन्होंने घोषणा भी की है कि जो भी पेट्रोल चोर को पकड़वाएगा उसे पांच सौ रुपये इनाम में देंगे और उसका नाम भी गुप्त रखेंगे। सोसायटी में कई जगह सीसीटीवी कैमरे लगे ही नहीं हैं और जहां लगे हैं, उनमें से भी कई खराब पड़े हैं। इसके बावजूद कैमरों की एएमसी का पैसा निवासियों के मेंटेनेंस चार्ज से लिया जा रहा है। उनका आरोप है कि सुरक्षा के बजाय त्योहारों पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सोसायटी की पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य रश्मि चौधरी ने कहा कि बोर्ड मीटिंग में कई बार आधुनिक सीसीटीवी लगाने का मुद्दा उठाया गया, लेकिन बोर्ड मेंबरों की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। वहीं, पूर्व महामंत्री आर. के. गर्ग ने कहा कि यदि पदाधिकारी जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहे हैं तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए, ताकि सोसायटी की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हो सके।

हर घर जल की दिशा में नई रणनीति

जल जीवन मिशन-2.0 पर राज्यों के साथ बैठक

टीवी भारतवर्ष

जल जीवन मिशन-2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की रणनीति को लेकर शुक्रवार को केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने सभी राज्यों के मंत्रियों और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिवों के साथ आभासी माध्यम से बैठक कर मंथन किया। इस बैठक में योजना को जमीनी स्तर पर बेहतर ढंग से लागू करने, ग्राम पंचायतों और स्थानीय जल समितियों की भागीदारी बढ़ाने तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक का मुख्य उद्देश्य यह तय करना था कि आने वाले समय में जल जीवन मिशन-2.0 के तहत योजनाओं को किस प्रकार आगे बढ़ाया जाएगा और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को और अधिक प्रभावी ढंग से कैसे पूरा किया जा सके। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने इस आभासी बैठक में भाग लेते हुए अपने अनुभव साझा किए और योजना को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी दिए।उत्तर प्रदेश की ओर से इस बैठक में राज्य के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने भाग लिया। दोनों अधिकारियों ने प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों और उनसे जुड़े अनुभवों को भी साझा किया।बैठक के दौरान केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय के अधिकारियों ने जल जीवन मिशन-2.0 की विस्तृत रूपरेखा सभी राज्यों के सामने प्रस्तुत की। अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में इस योजना के अंतर्गत किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा और इसमें केन्द्र तथा राज्य सरकारों की क्या-क्या जिम्मेदारियां होंगी।इसके साथ ही यह भी चर्चा की गई कि ग्राम पंचायतों और स्थानीय जल समितियों की भागीदारी को किस प्रकार बढ़ाया जाए, ताकि योजना का संचालन और रखरखाव स्थानीय स्तर पर अधिक प्रभावी ढंग से हो सके। अधिकारियों ने यह भी कहा कि स्थानीय भागीदारी से योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में काफी मदद मिलेगी।

यूपी SI परीक्षा से पहले बड़ा एक्शन

पेपर बेचने का दावा करने वाले 3 टेलीग्राम चैनलों पर FIR

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में गुरुवार को एक सनसनीखेज डबल मर्डर की घटना सामने आई। नौकरी से निकाले जाने से नाराज एक युवक ने हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में घुसकर दो अधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से प्लांट परिसर में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया।जानकारी के अनुसार सैजनी गांव स्थित एचपीसीएल के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में गुरुवार को प्रशासनिक बैठक चल रही थी। इसी दौरान प्लांट में पहले ऑपरेटर के पद पर तैनात रहे कांट्रैक्ट कर्मचारी अजय प्रताप सिंह अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंच गया। बताया जा रहा है कि उसे कुछ समय पहले नौकरी से निकाल दिया गया था, जिससे वह नाराज चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने बैठक के दौरान एरिया मैनेजर सुधीर गुप्ता (56), निवासी सेक्टर-50 नोएडा और डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा (30) पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं।हमले में दोनों अधिकारियों को तीन-तीन गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज से पूरे प्लांट में हड़कंप मच गया। घटना के बाद आरोपी के साथी मौके से फरार हो गए, जबकि मुख्य आरोपी अजय प्रताप सिंह ने थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया।घटना के बाद घायल दोनों अधिकारियों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दातागंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी इससे पहले भी दोनों अधिकारियों पर हमला करने की कोशिश कर चुका था।